卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की 卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 88 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦3 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

अंकिता को न्याय के लिए कांग्रेस का हल्ला बोल

रूद्रपुर में जोरदार प्रदर्शन के साथ कलेक्ट्रेट कूच, पुलिस से नोंक झोंक, गदरपुर तहसील में भी गरजे कांग्रेसी

रुद्रपुर/गदरपुर(उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी प्रकरण में वीआईपी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई और

सीबीआई जांच की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने शनिवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन के साथ कलेक्ट्रेट कूच किया। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ और पुलिस से नोक झोंक हुई। भारी विरोध के साथ कांग्रेसियों ने पुलिस से भिड़ते हुए बैरिकेटिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट में प्रवेश कर जोरदार नारेबाजी की। उधर गदरपुर तहसील के बाहर कांग्रेसियों ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन करते हुए अंकिता को न्याय दिलाने की मांग की। अंकिता भंडारी मामले को लेकर प्रदेश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के क्रम में शनिवार को भारी संख्या में कांग्रेसी पूर्व मंत्री एवं किच्छा विधायक तिलकजराज बेहड़ के नेतृत्व में जुलूस प्रदर्शन के साथ कलेक्ट्रेट कूच के लिए रवाना हुए। कांग्रेसियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाई थी। पुलिस ने कांग्रेसियों को रोकने का प्रयास किया जिससे कांग्रेसी भड़क गये। मौके पर भारी हंगामा हुआ कांग्रेसी कलेक्ट्रेट के गेट पर चढ़ गये। इस दौरान पुलिस से जमकर नौंक झोंक हुई। कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन के बीच बैरिकेटिंग तोड़ दिये और कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने अंकिता भंडारी प्रकरण में शामिल वीआईपी का खुलासा कर कार्रवाई और सीबीआई जांच की पुरजोर मांग उठाई। प्रदेश सरकार के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ (शेष पृष्ठ सात पर)

अवैध हथियार के साथ संदिग्ध युवक दबोचा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।कोतवाली रुद्रपुर की चौकी रम्पुरा पुलिस ने शुक्रवार की रात गश्त के दौरान एक युवक को अवैध हथियार (पोनियां) के साथ दबोच लिया। पुलिस ने युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, चौकी रम्पुरा की टीम रात को क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान किच्छा रोड पर पुलिस ने एक युवक को संदिग्ध हालात में घूमते देखा। युवक ने पुलिस को देखते ही छिपने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस ने युवक के पास से तलाशी लेने पर अवैध हथियार यानी पोनियां बरामद की। इसके बाद युवक को कोतवाली रुद्रपुर लेकर जाकर पूछताछ की गई। पुलिस पूछताछ में युवक ने बताया कि उसे यह पोनियां पहाड़गंज क्षेत्र में पड़ी मिली। हालांकि, पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि बरामद हथियार वास्तव (शेष पृष्ठ सात पर)

उत्तराखंड डेमोग्राफी चेंज मुद्दे पर सीएम धामी की बड़ी कारवाई

परिवार रजिस्टरों की होगी प्रदेशव्यापी जांच

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आज एक और बड़ा फैसला लेते हुए परिवार रजिस्टर की नियमावली में संशोधन करने के निर्देश जारी किए है। इस आशय के प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट बैठक में लाने के लिए शासन को बोला गया है। उल्लेखनीय है देवभूमि उत्तराखंड में डेमोग्राफी चेंज के मामलों के अध्ययन करने के दौरान ऐसे मामले सामने आए है जिनमें कई गांव जोकि कभी हिन्दू बाहुल्य थे आज वो मुस्लिम बाहुल्य हो गए है, इन गांवों के परिवार रजिस्टरों को जब देखा गया तो उनमें कई तरह की खामियां और हेर फेर नजर आए। परिवार रजिस्टर की नियमावली यूपी के समय से 1970 से चली आ रही है।जिसकी वजह के मौजूदा परिस्थितियों में ग्राम समाज की भूमि को खुर्दबुर्द करने और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के

मामले भी गृह विभाग की एक जांच रिपोर्ट में सामने आए है।सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक उच्च स्तरीय बैठक करके शासन को ये निर्देशित किया है कि 2003 से बाद के सभी परिवार रजिस्टरों की जांच डीएम एक टीम बना कर करवाएं,उससे पूर्व उक्त सभी रजिस्टर जिलाधिकारी द्वारा अपनी कस्टडी में ले लिए जाएं। सीएम धामी ने ये भी निर्देश दिए कि यूपी की नियमावली की बजाय उत्तराखंड की अपनी नियमावली बनाकर शीघ्र कैबिनेट में लाई जाए। ग्राम पंचायत विभाग द्वारा सीएम धामी के सम्मुख ये आंकड़ा भी रखा गया की पिछली अप्रैल से अब तक करीब ढाई लाख परिवार उत्तराखंड में बढ़ गए , ये कैसे और क्यों बढ़ गए ? इस बारे में गहनता से जांच किए जाने के निर्देश मुख्यमंत्री धामी ने दिए है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर से ये देखा जाए कि परिवार रजिस्टर में जो नाम दर्ज किए गए उनके दस्तावेज क्या क्या थे ?सीएम ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी अधिकारी ने अथवा पूर्व में ग्राम प्रधानों ने इस मामली लापरवाही बरती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कारवाई की जाए। बैठक में गृह सचिव शैलेश बगौली, डीजीपी दीपम सेठ, एडीजी अभिसूचना अभिनव कुमार, ग्राम पंचायत के विशेष सचिव डॉ पराग मधुकर धकाते, निदेशक निधि यादव, डीएम देहरादून सविन बंसल आदि रहे। उत्तराखंड में डेमोग्राफी चेंज के विषय सामने आने के बाद देहरादून जिले के विकास नगर परगना में 28 गांव जो कि राज्य बनने से पूर्व हिंदू बाहुल्य थे वो अब मुस्लिम बाहुल्य हो गए। इन गांवों के जब परिवार रजिस्टर, जांचे गए, तब उनमें ऐसी खामियां मिली कि जिस लड़की का निकाह यहां से अन्य प्रदेश में हो गया उसका नाम यहां नहीं कटा बल्कि उसके पति और (शेष पृष्ठ सात पर)

मित्र पुलिस की 'स्मार्ट पुलिसिंग' से हैरत में उधम सिंह नगर

-अर्श-

देहरादून। जब से उत्तराखंड के पुलिस महकमे में स्मार्ट पुलिसिंग की परिकल्पना की गई है, तब से मित्र पुलिस के आला अफसर सूबे में गजब की स्मार्ट पुलिसिंग कर रहे हैं। वैसे तो उत्तराखंड में स्मार्ट पुलिसिंग के अजब गजब नमूने जहां-तहां सामने आते ही रहते हैं, लेकिन उधम सिंह नगर जनपद में पुलिस महकमे की तो बात ही निराली है। जनपद में आम आरोपियों के लिए गोली और सत्ता संरक्षण प्राप्त आरोपियों के लिए डोली, वाली पुलिसिंग तो एक अरसे से लगातार देखी ही जा रही है, लेकिन उधम सिंह नगर पुलिस ने अब एक अलग तरह की स्मार्ट पुलिसिंग भी आरंभ कर दी है । इसके तहत जिले की पुलिस के द्वारा व्यक्तियों को उनकी सामाजिक और राजनीतिक हैसियत के हिसाब से कानूनी उपचार दिए जा रहे हैं। हालांकि व्यक्ति की आर्थिक, सामाजिक एवं

भाजपा विधायक को समय देकर भी कार्यालय में नहीं मिले एसएसपी, आग बबूला हुए गदरपुर विधायक,पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप,एसएसपी पर भी चलाए व्यंग्य बाण

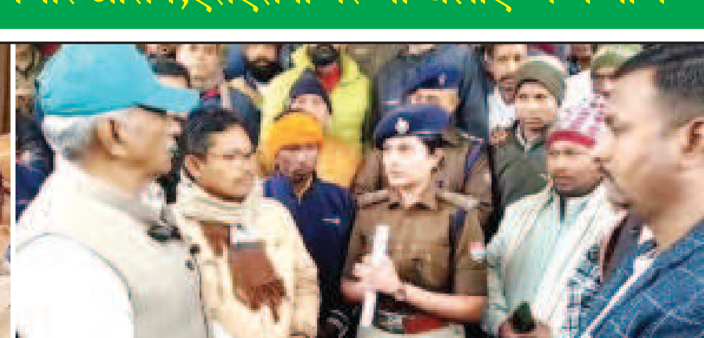

राजनीतिक हैसियत के हिसाब से पुलिस महकमा द्वारा कानूनी उपचार दिए जाने का रिवाज बहुत पुराना है, लेकिन जब अच्छा खासा राजनीतिक रसूख रखने वाले जनप्रतिनिधि को उसके राजनीतिक वजन के अनुसार तरजीह ना दी जाए ,जैसा कि बीते रोज एसएसपी कार्यालय में गदरपुर विधायक अरविंद पांडे के साथ हुआ, तो तनिक आश्चर्य होना लाजमी है। हुआ यह कि गदरपुर से पांचवीं बार निर्वाचित भाजपा विधायक अरविंद पांडे बीते रोज बुक्सा समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ उधम सिंह नगर पुलिस कप्तान से मुलाकात करने के लिए उनके कार्यालय पहुंचे थे और उन्होंने पुलिस कप्तान से मिलने के लिए बाकायदा समय भी लिया था। बकौल गदरपुर विधायक पुलिस कप्तान द्वारा उन्हें 11:30 बजे मिलने के लिए बुलाया गया था, लेकिन जब वह पुलिस कप्तान से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे तो कप्तान साहब कार्यालय से नदारद थे। पुलिस कप्तान को कार्यालय में न पाकर गदरपुर विधायक और उनके समर्थक आग बबूला हो गए और पुलिस कप्तान कार्यालय परिसर में ही नारेबाजी आरंभ हो गई। ।देखते ही देखते मीडिया के लोगों ने गदरपुर विधायक को घेर लिया। मीडिया से बातचीत करते हुए गदरपुर विधायक ने पुलिस महकमें पर गंभीर आरोप लगाए और एसएसपी मणिकांत मिश्रा पर भी जमकर व्यंग्य बाण चलाए। गदरपुर विधायक के अनुसार गदरपुर में तकरीबन 11 महीना पहले बुक्सा जनजाति के आराध्य राजा जगत देव जी की प्रतिमा की बेअदबी करते हुए उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। विधायक का आरोप है कि बुक्सा समाज के आराध्य की प्रतिमा से बेअदबी की इस घटना की रिपोर्ट पुलिस में कर दी गई थी, लेकिन पुलिस द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई विधायक का यह भी आरोप था कि पुलिस जगत देव जी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वालों को जानती पहचानती है और (शेष पृष्ठ सात पर)

स्किल डेवलेपमेंट से संवर सकता है युवाओं का भविष्य: विकास शर्मा

महापौर ने किया सिविल लाईन में माइंड पावर यूनिवर्सिटी के नये केन्द्र का शुभारम्भ

रूद्रपुर।सिविल लाइन क्षेत्र में माइंड पावर यूनिवर्सिटी, भीमताल के नये केन्द्र का भव्य शुभारम्भ महापौर विकास शर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर महापौर ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह संस्थान क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के नए अवसर खोलेगा तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि जिला मुख्यालय रूद्रपुर तेजी से एजुकेशन हब के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार नये शिक्षण संस्थानों की स्थापना होना इस बात का प्रमाण है कि रूद्रपुर शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। महापौर ने कहा कि माइंड पावर यूनिवर्सिटी द्वारा यहां केन्द्र की स्थापना करना स्वागत योग्य कदम है, जिससे स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।महापौर ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजगारपरक और स्किल आधारित शिक्षा बेहद जरूरी हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें लगातार स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा दे रही हैं। नई शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल कोर्स और स्किल डेवलपमेंट को शिक्षा प्रणाली का अहम हिस्सा बनाया गया है, जिससे छात्र पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के लिए भी तैयार हो सकें।महापौर ने कहा कि सिडकुल क्षेत्र में पहले से कई बड़े उद्योग स्थापित हैं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से आने वाले समय में अनेक नये उद्योग रूद्रपुर और आसपास के क्षेत्रों में स्थापित होने जा रहे हैं। इन उद्योगों से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि युवा कंपनियों की जरूरत के अनुसार स्किल आधारित शिक्षा प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आज की पढ़ाई में स्किल को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है।महापौर विकास शर्मा ने कहा कि माइंड पावर यूनिवर्सिटी द्वारा मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, सोशल साइंस जैसे आधुनिक और उपयोगी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को करियर संवारने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से विशेष रूप से शहर की बालिकाओं को शिक्षा में प्राथमिकता और विशेष अवसर देने का आह्वान किया तथा आश्वस्त किया कि शिक्षा के क्षेत्र में नगर निगम हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि किसी भी राष्ट्र और समाज के विकास का सबसे बड़ा आधार शिक्षा है। माइंड पावर यूनिवर्सिटी का संकल्प है कि कोई भी बच्चा स्किल और प्रोफेशनल शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. योगेश कुमार के विजन के तहत हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। डॉ. सुरेश कुमार ने घोषणा की कि रूद्रपुर केन्द्र में जरूरतमंद विद्यार्थियों को हरसंभव सहायता दी जाएगी तथा बालिकाओं की शिक्षा में विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी।इस अवसर पर माइंड पावर यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा महापौर विकास शर्मा का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर कम्युनिकेशन के.डी. सिंह, विपिन चंद्र पाण्डे, आदर्श जोशी, माधुरी गुप्ता, राम प्रकाश गुप्ता, गोपाल सिंह पटवाल सहित अनेक गणमान्य लोग रहे।

खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पुलिस लाइन में विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी का शुभारंभ

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे लाने के उद्देश्य से युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से खेल महाकुंभ के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय विधायक चौंपियनशिप ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन रुद्रपुर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक शिव अरोरा ने फीता काटकर किया।इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, मुर्गा झपट, वॉलीबॉल और पिट्ठू खेल सहित विभिन्न खेलों में 14 और 19 वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विधायक शिव अरोरा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड में खेलों के विस्तार और बच्चों के लिए बेहतर खेल वातावरण तैयार करने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। खेल महाकुंभ के माध्यम से विभिन्न खेलों के जरिए बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे लाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह और प्रदर्शन यह दर्शाता है कि उत्तराखंड में खेलों का भविष्य उज्ज्वल है और आने वाले समय में राज्य के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतेंगे।विधायक ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में भी खेल मैदानों के विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि बच्चे बेहतर सुविधाओं के साथ अपने हुनर को निखार सकें।मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शिव अरोरा ने अंडर-19 वर्ग की 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बिगवाड़ा क्षेत्र के गजनफर, द्वितीय स्थान पर रहे पवन सिंह बिगवाड़ा और तृतीय स्थान पर रहे वीर सिंह नरायणपुर को सम्मानित किया। वहीं बालकों की 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर सिद्धार्थ सिंह, द्वितीय हेमंत कुमार और तृतीय स्थान पर रहे कृष्णा कांडपाल को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।कार्यक्रम में नगर निगम के वार्ड संख्या 40 के पार्षद बीनू कुमार, राजकीय शिक्षा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी, सहायक खंड विकास अधिकारी दिनेश गुरुरानी, खंड विकास अधिकारी किच्छा प्रदीप कुमार, क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी यशवंत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, खेल आयोजक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी व अभिभावक उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान

ओखलकांडा में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम आयोजित

हल्द्वानी। राज्य सरकार द्वारा 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड ओखलकांडा के लोनिवि गेस्ट हाउस, पतलोट में एक बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ब्लॉक प्रमुख के. डी. रुवाली सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।शिविर के दौरान विभिन्न विभागों ने आम जनता को राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की और कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यान, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शिविर में मौजूद रहे।राज्य दर्जा मंत्री शांति मेहरा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी नागरिक को अनावश्यक कठिनाई न उठानी पड़े।ब्लॉक प्रमुख के.डी. रुवाली ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जा रहा है।जनसुनवाई में ग्रामीणों ने कौडार से पश्य लिंक ग्रामीण सड़क के निर्माण में खराब गुणवत्ता की शिकायत की। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख, उपजिलाधिकारी और राज्य दर्जा मंत्री ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता को दूरभाष पर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा आदमखोर गुलदार को पकड़ने, जल जीवन मिशन की पेयजल लाइन की खराब गुणवत्ता और पतलोट महाविद्यालय में भूगोल विषय खोलने की मांग भी रखी गई।विभागीय सेवाओं के अंतर्गत उद्यान विभाग द्वारा 30 लोगों को कीटनाशक दवा वितरित की गई, स्वास्थ्य विभाग ने 80 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, राजस्व विभाग द्वारा 3 विरासत दर्ज की गईं, ग्रामीण विकास विभाग ने 8 जन्म प्रमाण पत्र और 1 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए, कृषि विभाग ने 16 लोगों का पीएम किसान सम्मान निधि में पंजीकरण किया, जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग ने 10 लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट वितरित की।इस अवसर पर राज्य दर्जा मंत्री शांति मेहरा, उपजिलाधिकारी अंशुल भट्ट, तहसीलदार मनीष विष्ट, ग्राम प्रधान आशा मटियाली, भुवन रुवाली, बद्री महतोलिया, बलदेव चौहान, मनोज सुयाल, रमेश मटियाली, खंड विकास अधिकारी देशराज, पूर्व प्रमुख कमलेश कैड़ा और अन्य क्षेत्रीय जनता उपस्थित रहे।

विशाल मंडल की सफलता युवाओं के लिए बन गई प्रेरणा

शक्तिफार्म। उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्र शक्तिफार्म के गोविंद नगर से निकली साधारण-सी शुरुआत आज असाधारण सफलता की कहानी बन चुकी है। यह कहानी है युवा उद्यमी विशाल मंडल की, जिन्होंने सीमित संसाधनों, कठिन

परिस्थितियों और अनिश्चित भविष्य के बीच आत्मनिर्भरता की राह चुनी और आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी ने देश की रफ्तार रोक दी थी और रोजगार छिन रहे थे, उसी समय विशाल मंडल ने हालात से हार नहीं मानी। महाविद्यालय की पढ़ाई पूरी न हो पाने के बावजूद उन्होंने आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बनाया और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया। बिना किसी पारिवारिक व्यवसायिक पृष्ठभूमि और पूर्व अनुभव के, उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग से शुरुआत की। कठिन परिश्रम, तकनीकी समझ और सीखने की ललक ने उन्हें जल्दी ही पहचान दिलाई। इसी दौरान उन्होंने "मेक इन इंडिया" की सोच अपनाई और घरेलू उपयोग के स्वच्छता उत्पादों के निर्माण की पहल की। आज उनकी इकाई में फर्श क्लीनर, टॉयलेट क्लीनर, डिटर्जेंट, व्हाइट फिनाइल सहित कई उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। यह व्यवसाय न केवल तेजी से विस्तार कर रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देकर आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव भी रख रहा है। विशाल मंडल आज केवल एक सफल उद्यमी ही नहीं, बल्कि युवाओं के मार्गदर्शक भी बन चुके हैं। वे प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और व्यवसायिक सहयोग के माध्यम से युवाओं को खुद का काम शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि बड़े सपने देखने के लिए बड़े शहर जरूरी नहीं, अगर सोच मजबूत हो और इरादे साफ हों, तो गांव से भी क्रांति की शुरुआत हो सकती है।

कुमाऊं और गढ़वाली संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों ने किया मंत्रमुग्ध

गदरपुर(उद संवाददाता)। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान समिति, गदरपुर के तत्वावधान में मकर संक्रांति एवं उत्तरायणी पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समिति की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें कुमाऊं और गढ़वाली परंपरा की समृद्ध संस्कृति और लोक कला को जीवंत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष मनोज कुमार गुमर, प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, समिति अध्यक्ष रविंद्र कुमार आर्या, सचिव मनोज कुमार काण्डपाल और उपाध्यक्ष मनोज पांडे ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत हुई, जिसमें बाध्य यंत्रों की धुन पर छोलिया नृत्य और लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इसके अलावा, नगर के स्कूली बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रणजीत सिंह बिष्ट ने सभी उपस्थित लोगों को मकर संक्रांति उत्तरायणी पर्व की शुभकामनाएँ दी और कहा कि इस तरह के आयोजन भारतीय संस्कृति को नई ऊर्जा और पहचान देते हैं। इस अवसर पर समिति ने नगर पालिका के सभा सदस्यों का सम्मान भी किया।कार्यक्रम में समिति संरक्षक भूपेन्द्र सिंह बिष्ट, डॉ. नवीन उपाध्याय, सुरेश चन्द्र तिवारी, पदम सिंह बिष्ट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चम्पा पांडे, उपाध्यक्ष मनोज पांडे, कोषाध्यक्ष प्रेम आर्य, उपकोषाध्यक्ष बलवन्त सिंह दानू सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पंकज काण्डपाल ने किया।

कमिश्नर ने की जमरानी बांध निर्माण कार्यों की समीक्षा

हल्द्वानी। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने कैंप कार्यालय, हल्द्वानी में सिंचाई, पेयजल एवं विद्युत उत्पादन के लिए निर्मित की जा रही जमरानी बहुउद्देशीय बांध परियोजना के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में परियोजना की प्रगति, समयबद्धता एवं गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।समीक्षा के दौरान जमरानी बांध परियोजना के महाप्रबंधक महेश खरे द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना अंतर्गत दो टनलों का निर्माण कार्य लगभग 85 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त नदी के पानी के डायवर्सन हेतु दो कौफर डैम के निर्माण का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। बताया गया कि जून 2026 तक टनल निर्माण एवं कृत्रिम डैम का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके उपरांत आगामी बरसात में नदी का पानी टनलों के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। इसके बाद स्थायी बांध के निर्माण कार्य को गति दी जाएगी।महाप्रबंधक महेश खरे ने जानकारी दी कि जमरानी बांध परियोजना का समस्त निर्माण कार्य 'जून 2029' तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह परियोजना पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति एवं विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगी। बैठक में जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना के अंतर्गत कैनाल निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में हरिपुर फीडर एवं पाहवा फीडर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस पर कुमाऊं आयुक्त ने निर्देश दिए कि हल्द्वानी शहर क्षेत्र में जमरानी कैनाल की फीडर को कवर करने हेतु आवश्यक कार्य सुनिश्चित किया जाए, जिससे शहरी क्षेत्र में किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके साथ ही कुमाऊं आयुक्त ने परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास हेतु उधम सिंह नगर जनपद के किच्छा स्थित पराग फार्म में निर्मित की जा रही आवासीय कॉलोनी के निर्माण कार्यों की भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निधरित समय सीमा के भीतर एवं उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं।समीक्षा बैठक में सहायक निदेशक, अर्थ एवं संख्या विभाग राजन तिवारी, उप महाप्रबंधक जमरानी बांध बी0बी0 पांडे सहित परियोजना से संबंधित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रुद्रपुर में कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट बनाने का अभियान हुआ तेज

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।कांग्रेस हाईकमान द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बूथ लेवल एजेंट बनाने की प्रक्रिया के तहत रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस दिशा में बरिष्ठ नेता अनिल शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रियता दिखाई और एक ही दिन में लगभग दस-दस घंटे

कार्यकर्ताओं से उनके आवास और प्रतिष्ठानों पर मिलकर प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया। अनिल शर्मा ने बताया कि रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 35 बूथों पर बीएलए का कार्य पूरा हो चुका है और शेष 4 बूथों पर भी कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं नित्यानंद मंडल, मन्नू चौधरी, मुनब्बर हुसैन, नासिर हुसैन, गुलशन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ सहयोग

उधम सिंह नगर से भाजपा में प्रदेश स्तर पर कई नई नियुक्तियां

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय व व्यापक बनाने के उद्देश्य से उधम सिंह नगर जनपद से प्रदेश स्तर पर विभिन्न मोर्चों में कई नई नियुक्तियां की हैं। पार्टी संगठन की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनसे संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करने की अपेक्षा जताई गई है।प्रदेश युवा मोर्चा में उधम सिंह नगर से सतीश भट्ट को प्रदेश उपाध्यक्ष, पारस अग्रवाल को कुमाऊं सह-संयोजक और लवकेश गुप्ता को स्टडी सर्किल सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।प्रदेश किसान मोर्चा के अंतर्गत धीरेंद्र मिश्रा को प्रदेश मंत्री, जीएस बेदी को कुमाऊं संयोजक, मनोज शाही को कुमाऊं सह-संयोजक, सुनील चौहान को प्रदेश मीडिया संयोजक और डॉ. प्रदीप सिंह अधिकारी को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है।प्रदेश महिला मोर्चा में रश्मि रस्तोगी को प्रदेश महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है।प्रदेश अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा में उपेंद्र चौधरी को प्रदेश उपाध्यक्ष, ललित राठौर को प्रदेश मीडिया संयोजक, योगेश वर्मा को प्रदेश आईटी संयोजक और श्रीकांत राठौर को कुमाऊं संयोजक बनाया गया है।प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के तहत संदीप बाजवा को प्रदेश मंत्री, जुल्फीकार अली को प्रदेश मीडिया संयोजक, सकील उर्फ बाबू अल्वी को प्रदेश आईटी सह-संयोजक और मोहम्मद इमरान को कुमाऊं सह-संयोजक नियुक्त किया गया है।प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति मोर्चा में सपना रानी और राम पाल को प्रदेश उपाध्यक्ष, अमित सिंह राणा, ललिता देवी और रामु भारती को प्रदेश मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही एडवोकेट पूनम राणा को प्रदेश प्रवक्ता, भुवन सिंह राणा को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक, अश्वनी कुमार को प्रदेश सोशल मीडिया सह-संयोजक, मंगल सिंह राणा को प्रदेश आईटी संयोजक तथा ओम प्रकाश सिंह राणा और महेंद्र बाल्मीकी को क्रमश: कुमाऊं संयोजक और कुमाऊं सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

रूद्रपुर महाविद्यालय में राजा रुद्रचंद अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में देवभूमि विचार मंच के सहयोग से राजा रुद्रचंद अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की संयोजक हिंदी विभाग की बसुंधरा उपाध्याय ने बताया कि यह अध्ययन केंद्र शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक विकास में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से समसामयिक विषयों पर अध्ययन और विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य अवधेश नारायण सिंह ने की। विशेष उपस्थिति क्षेत्रीय संयोजक उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश भगवती प्रसाद राघव की रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, भगवद्गीता और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना शिल्पी अग्रवाल ने प्रस्तुत की।मुख्य वक्ता जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर उर्मिला पिंचा ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान को बढ़ाती हैं और विरासत के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुगलकाल और अंग्रेजी शासनकाल में भारतीय ज्ञान और संस्कृति को गहरी क्षति पहुंची। स्किल डेवलपमेंट हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा का ही हिस्सा रहा है। भारतीय परंपराएं देश, समाज और प्रकृति से जुड़ी हैं तथा मौखिक परंपराएं हमारे जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में पुस्तकों को जलाया नहीं जाता, बल्कि उनका सम्मान कर उनमें निहित ज्ञान को आत्मसात कर समाज को दिशा दी जाती है।अतिथि वक्ता गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार से आए सतेंद्र राजपूत ने शोध कार्य को प्रोत्साहित करने से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सरकार की ओर से उपलब्ध सहायता योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शोध के व्यापक अवसर मौजूद हैं।प्राचार्य अवधेश नारायण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी परंपराओं का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। महाविद्यालय आने वाले समय में भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों के अनुभव को साथ लेकर भी इन परंपराओं को संरक्षित किया जा सकता है।भगवती प्रसाद राघव ने कहा कि प्रज्ञा प्रवाह एक वैचारिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य ज्ञान को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि सत्संग का अर्थ सज्जन समाज का एकजुट होना है और समाज के उत्थान के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने बचत को भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए स्व के बोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई धर्म नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह है। कार्यक्रम में दीपा वर्मा, भरत राजपूत, शैलजा जोशी, सरबजीत यादव, आशा राणा, मनोज पांडेय, राघवेंद्र मिश्रा, मुन्नी जोशी, कमला बोरा, गरिमा जायसवाल, अभिषेक गुप्ता, तरुण प्रजापति, सरबजीत कौर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन प्रकाश जोशी ने किया।

मौर्य और एमेनिटी क्रिकेट अकादमी ने जीते मैच

किच्छा(उद संवाददाता)। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उधम सिंह नगर के तत्वाधान में आयोजित जिला क्रिकेट सीनियर लीग प्रतियोगिता में मौर्य क्रिकेट अकादमी और एमेनिटी क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले में सबसे पहले मौर्य क्रिकेट अकादमी और रिबेल क्रिकेट अकादमी (बाजपुर) के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मौर्य अकादमी ने निर्धारित 40 ओवरों में 5 विकेट खोकर 262 रन बनाए। टीम के लिए मोहम्मद कैफ ने शानदार 65 रन की पारी खेली। ध्रुव अत्री ने 53 रन और लक्ष्य कुमार ने 65 रन की योगदान देकर टीम को मजबूत स्कोर पर पहुँचाया। रिबेल अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए सूरज ने 2 विकेट और विनय मजूमदार व धर्मराज पटेल ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रिबेल क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 138 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम के ऋतिक शुक्ला ने 36 रन, मोहम्मद जुनेद ने 19 रन और धर्मराज पटेल ने 18 रन की पारी खेली। मौर्य अकादमी की ओर से संस्कार श्रीवास्तव ने 4 विकेट झटके, जबकि रोहन सागर और जतिन भट्ट ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। इस जीत के साथ मौर्य क्रिकेट अकादमी ने दो अंक अपने खाते में जोड़ लिए। दूसरा मुकाबला रुद्रा लायंस क्रिकेट अकादमी और एमेनिटी क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमेनिटी क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 35 ओवरों में 4 विकेट खोकर 245 रन बनाए। टीम की ओर से ठाकुर मृत्युंजय ने 91 रन, आयुष त्रिपाठी ने 42 रन और अरमान अब्बास ने 36 रन की शानदार पारी खेली। रुद्रा लायंस क्रिकेट अकादमी की तरफ से कुलदीप ने 2 विकेट, अभिमन्यु कांडपाल और मोहित ने एक-एक विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुद्रा लायंस क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 180 रन पर सिमट गई। टीम के खिलाड़ी अभिमन्यु कांडपाल ने 67 रन और यस जोशी ने 58 रन की पारी खेली। एमेनिटी क्रिकेट अकादमी की तरफ से शशांक पंत ने 3 विकेट, ठाकुर मृत्युंजय और कुणाल यादव ने दो-दो विकेट लिए। इस जीत के साथ एमेनिटी क्रिकेट अकादमी ने 65 रनों से जीत दर्ज कर दो अंक प्राप्त किए। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका राजेंद्र कुमार, जे. पी. सिंह और अरिंदम प्रसाद ने निभाई।

मुख्यमंत्री ने 88 .84 करोड़ की योजनाओं को दी मंजूरी

शारदा घाट ड्रेनेज, जॉलीग्रांट स्टेट गेस्ट हाउस, पटवारी चौकियों के पुनर्निर्माण सहित कई प्रस्ताव स्वीकृत

देहरादून (उद संवाददाता)।राज्य में आधारभूत ढांचे और जनसुविधाओं के विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 88.84 करोड़ रुपये की धनराशि के अनुमोदन को मंजूरी दी है। इन स्वीकृतियों में शहरी ड्रेनेज, हवाई अड्डे पर अतिथि गृह निर्माण, क्षतिग्रस्त पटवारी चौकियों का पुनर्निर्माण, सड़क निर्माण और जल संवर्धन से जुड़े कार्य शामिल हैं।शारदा घाट परियोजना के अंतर्गत सिटी ड्रेनेज प्लान फेज-1 के निर्माण के लिए 65. 65 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई है। इस योजना के लागू होने से शहरी क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ होगी और जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।जनपद देहरादून के अंतर्गत जॉलीग्रांट एयरपोर्ट परिसर में स्टेट गेस्ट हाउस के निर्माण के लिए 4.46 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस गेस्ट हाउस के निर्माण से प्रदेश में आने वाले अतिविशिष्ट अतिथियों और सरकारी कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा मिलेगी।विभिन्न जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर 30 से 70 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त 225 पटवारी चौकियों और 70 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त 37 पटवारी चौकियों के पुनर्निर्माण और निर्माण कार्य के लिए आपदा मोचन निधि से 15 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को मजबूती मिलने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में सेवाएं बेहतर होंगी।इसके अलावा जनपद चम्पावत में सहायक नदी और धारा उपचार के माध्यम से समग्र जल संरक्षण, जल संवर्धन और मृदा संरक्षण से जुड़े कार्यों के लिए 3.39 करोड़ रुपये की योजना जलागम प्रबंधन के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। वहीं राजस्व परिषद के प्रस्ताव के क्रम में जिला कार्यालय देहरादून के लिए निष्प्रयोज्य वाहनों के स्थान पर तीन बोलेरो वाहन प्रति वाहन 10 लाख रुपये की दर से क्रय किए जाने को भी मंजूरी दी गई है।जनपद चमोली के विकासखंड पोखरी में डिग्री कॉलेज पोखरी मोटर मार्ग से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय और आवास तक मोटर मार्ग के नवनिर्माण के प्रथम चरण के लिए 4.17 लाख रुपये की योजना भी स्वीकृत की गई है। इन सभी स्वीकृतियों से प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभव:-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सूचना अधिकार की जानकारी वाला कैलेंडर 2026 प्रकाशित

काशीपुर। सूचना अधिकार की नवीन जानकारी अब कैलेंडर के माध्यम से आम जनता को मिल सकेगी। इसके लिये सूचना अधिकार विशेषज्ञ नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा एक कैलेंडर प्रकाशित कराया गया है। जिसमें 2026 के कैलेंडर के साथ उत्तराखंड सरकार के राजपत्रित व निर्बंधित अवकाशों की सूची को भी दर्शाया गया है। सूचना अधिकार की सामान्य जानकारी देने वाले नदीम द्वारा प्रकाशित कैलेंडर में सूचना का मतलब, सूचना अधिकार का मतलब, सूचना अधिकार के दायरे में शामिल प्राधिकारी, सूचना लेने की प्रक्रिया, सूचना हेतु अतिरिक्त शुल्क, सूचना देने की अवधि, प्रथम व द्वितीय अपील, लोक प्राधिकारियों/विभाग के सूचना अधिकार के अन्तर्गत दायित्व, सूचना अधिकार की विस्तृत जानकारी हेतु पुस्तकें, सोशल मीडिया उत्तराखंड सूचना आयोग तथा केन्द्रीय सूचना आयोग की वेबसाइटों की जानकारी शामिल है। नदीम द्वारा प्रकाशित इस कैलेंडर को जहां उनके द्वारा स्वयं वितरित कराया जा रहा है वहीं इसे फेस बुक के "सूचना अधिकार कानून" नामक पेज तथा "सूचना अधिकार (आर टी आई)" ग्रुप पर जन सामान्य हेतु उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त इस कैलेंडर लेने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति मोबा. 9411547747 पर एस.एम.एस. या व्हाट्स एप्प से सम्पर्क करके नि:शुल्क प्राप्त कर सकता है। नदीम ने बताया कि वर्ष 2014 से लगातार सूचना अधिकार की जागरूकता के लिये कलैंडर का प्रकाशन व नि:शुल्क वितरणर किया जा रहा है। इस कैलेंडर का उद्देश्य आम जनता तक सूचना अधिकार की जागरूकता फैलाना है ताकि आम जनता अधिक से अधिक सूचना अधिकार प्रयोग करने को सक्षम हो सके। कैलेंडर क्योंकि वर्ष भर रखा जाता है इसलिये इसके माध्यम से प्रकाशित सूचना अधिकार की जानकारी भी हजारों लोगों तक पहुंचेगी।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
05944-245817

सीएम ने परखी जन-जन की सरकार अभियान की जमीनी हकीकत

शिविर का किया निरीक्षण, ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)। जन-समस्याओं के समाधान को लेकर चलाए जा रहे 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान की जमीनी पड़ताल के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को रायपुर ब्लॉक के खैरीमान सिंह में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत लगे बहुद्देश्यीय शिविर में जनसमस्याओं के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर अभियान को लेकर फीडबैक प्राप्त किया।मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं से ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए की गई व्यवस्थाओं को परखा। शिविर के दौरान 102 दिव्यांगों और वृद्धजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए गए, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में सहूलियत मिल सके।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन-समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके लिए आवश्यक है कि सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और प्रभावशीलता के साथ कार्य करें।उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुंचे। इसी सोच के तहत यह अभियान पूरे प्रदेश में संचालित किया जा रहा है।इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा, ब्लॉक प्रमुख सरोजिनी जवाड़ी, जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान सहित मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उपजिलाधिकारी हरि गिरि, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर की तत्परता से परिवार से मिला बिछुड़ा मासूम

लौट आई परिजनों के चेहरे पर मुस्कान, रोडवेज बस में छूट गया था दस माह का मासूम

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। माता-पिता से बिछुड़े दस माह के मासूम को महापौर विकास शर्मा की त्वरित पहल और मानवीय संवेदनशीलता के चलते सुरक्षित रूप से उसके परिवार से मिलाया गया। कई घंटों की बेचौनी और चिंता के बाद जब मासूम सकुशल मिला, तो परिजनों के चेहरे पर राहत और खुशी साफ झलकने लगी। इस दौरान परिजनों ने महापौर विकास शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए उनकी तत्परता की सराहना की।लालपुर निवासी दंपत्ति रोहित रस्तौगी और उनकी पत्नी रूपा कुमारी शुक्रवार दोपहर अपने दस माह के पुत्र मन्नू के साथ मुरादाबाद जाने के लिए रोडवेज बस स्टेशन पहुंचे थे। मुरादाबाद जाने वाली बस के चलने में कुछ समय शेष था। इसी बीच पति-पत्नी शौचालय जाने के लिए बस में पहले से सवार एक कॉलेज छात्रा सिमरन को कुछ देर के लिए बच्चे की देख रेख का आग्रह कर चले गए। दुर्भाग्यवश इसी दौरान बस चल पड़ी और मासूम मन्नू छात्रा की गोद में ही रह गया, जबकि उसके माता-पिता बस स्टेशन पर ही छूट गए। अचानक यह स्थिति सामने आने पर छात्रा सिमरन घबरा गई। उसे आशंका हुई कि कहीं कोई जानबूझकर बच्चा उसके पास छोड़कर न चला गया हो। समझदारी दिखाते हुए उसने बस को नगर निगम कार्यालय के सामने रुकवाया और मासूम के माता-पिता की तलाश शुरू की।इसी बीच अपने कार्यालय में मौजूद महापौर विकास शर्मा को घटना की जानकारी मिली। उन्होंने बिना विलंब किए नगर निगम के बाहर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। महापौर ने तुरंत पुलिस अधिकारियों को सूचना दी और मीडिया को भी मौके पर बुलाया। मीडिया के माध्यम से अपील जारी की गई कि यदि कोई इस बच्चे या उसके माता-पिता को पहचानता हो, तो तत्काल नगर निगम या पुलिस से संपर्क करे। जब तक परिजनों का पता नहीं चल सका, तब तक महापौर ने मासूम को अपने कर्मचारी सुनील की देखरेख में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।उधर, बच्चे के बस में छूट जाने की जानकारी मिलते ही माता-पिता और अन्य परिजन घबराहट में बस का पीछा करते हुए रामपुर तक पहुंच गए। वहां बस मिलने पर उन्हें जानकारी मिली कि जिस किशोरी को मां बाप ने बस में बच्चा सौंपा था वह बच्चे को लेकर रूद्रपुर नगर निगम के सामने उतर गई थी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया, जहां से उन्हें बताया गया कि बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है। सूचना मिलने के बाद परिजन तत्काल महापौर विकास शर्मा के कार्यालय पहुंचे। यहां पुलिस और महापौर की मौजूदगी में मासूम मन्नू को उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर माता-पिता भावुक हो उठे और सभी ने राहत की सांस ली।इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने मीडिया का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और साथ ही माता-पिता को भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही से बचने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी बड़े हादसे को टाल सकती है।

नगर पंचायत ने चलाया विशेष सफाई अभियान

दिनेशपुर(उद संवाददाता)।नव वर्ष के प्रथम दिन नगर पंचायत दिनेशपुर में विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। अभियान की अगुवाई नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर और अधिशासी अधिकारी मुहम्मद यामीन ने की, जिसमें तमाम पर्यावरण मित्रों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।अभियान के दौरान नगर के विभिन्न वार्डों में सड़क किनारे जमा कूड़े के ढेर हटाए गए और नालियों की तलियाँ भी साफ की गईं। साथ ही व्यापारियों और नागरिकों को कूड़ा नालियों में डालने की बजाय कूड़ा गाड़ियों में डालने के लिए जागरूक किया गया।इस अवसर पर नगर पंचायत प्रशासन ने सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता रैली भी आयोजित की, जिसमें आम नागरिकों से सहयोग करने और शहर को स्वच्छ रखने का आह्वान किया गया।अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, अधिशासी अधिकारी मुहम्मद यामीन, केपीएस ग्रुप मैनेजर चंद्र प्रकाश तिवारी, बलवंत सिंह, रवि चौहान, मुकेश कुमार, क्लेडियस, राजेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस ने सयुक्त कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को ताज चौराहा से लाइन नंबर 1में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें गंदगी पर 14000 की चलानी कार्यवाही की गई। इस दौरान 3 गाड़ी सामान जब्त किया गया। साथ ही नाली पर बनी पर अतिक्रमण कर बनाई गई सात संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। अभियान में एस पी सिटी, नगर आयुक्त नगर निगम, नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी एवं टीम शामिल थी।

ललित राठौर बने भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी

रुद्रपुर।भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार की संस्तुति पर ललित राठौर को भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड का प्रदेश सह मीडिया प्रभारी की नई जिम्देदारी सौंपी हे। अपने मनोनयन पर ललित राठौर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय पुष्कर सिंह धामी जी, भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य जी,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी जी, प्रदेश प्रभारी ओबीसी मोर्चा एवं जिला अध्यक्ष उधम सिंह नगर कमल कुमार जिंदल, भाजपा संगठन के प्रदेश नेतृत्व एवं पदाधिकारी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। श्री राठौर ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास किया है वह उसकी पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्माण करेंगे।

रुद्रपुर में पुलिस चौकी बनी सियासी अखाड़ा

मारपीट के मामले में कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने, दो घंटे तक चला हंगामा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। शुक्रवार को आवास-विकास पुलिस चौकी उस समय सियासी अखाड़े में तब्दील हो गई, जब एक मारपीट के मामले को लेकर कांग्रेस और भाजपा के नेता आमने-सामने आ गए। दोनों दलों के नेताओं और समर्थकों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग को लेकर चौकी परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। करीब दो घंटे तक चले इस हंगामे से चौकी में तनावपूर्ण माहौल बना रहा, जिसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष मोनिका ढाली ने आरोप लगाया कि शुक्रवार दोपहर उनका बेटा सड़क से गुजर रहा था। उसी दौरान तीन किशोरियों के बीच विवाद हो रहा था। उनका बेटा विवाद शांत कराने के लिए रुका ही था कि तभी जगतपुरा क्षेत्र के पार्षद पति व भाजपा नेता राधेश शर्मा मौके पर पहुंचे और किशोरियों से अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए उनके बेटे के साथ हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि घटना के बाद उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका मोबाइल फोन भी बंद हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मोनिका ढाली महिला कांग्रेस नेताओं, स्थानीय नागरिकों और आवास-विकास क्षेत्र के पार्षद सौरभ राज बेहड़ के समर्थकों के साथ पुलिस चौकी पहुंचीं। उधर, भाजपा नेता राधेश शर्मा भी अपने समर्थकों के साथ चौकी पहुंच गए। दोनों पक्षों के आमने-सामने आते ही तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते धरना-प्रदर्शन में बदल गई। सूचना मिलने पर ट्रांजिट कैंप थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय और आवास-विकास चौकी प्रभारी प्रकाश चंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए दोनों पक्षों को चौकी के अंदर बुलाकर बयान दर्ज किए और भीड़ को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।कांग्रेस पार्षद सौरभ राज बेहड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता राधेश शर्मा ने न केवल महिला कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे के साथ मारपीट की, बल्कि चौकी पहुंचने पर उनके साथ भी हाथापाई का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। वहीं भाजपा नेता राधेश शर्मा ने कांग्रेस पार्षद सौरभ राज बेहड़ पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जब वह किशोरियों के साथ आवास-विकास चौकी जा रहे थे, तभी सौरभ राज बेहड़ अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और पुलिस के सामने ही हाथापाई शुरू कर दी। उनका दावा है कि पूरी घटना चौकी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा आंदोलन करेगी।

डल बाबा मंदिर से विकास की नई शुरुआत

राजा जगत देव जयंती पर गदरपुर विधानसभा को मिली सड़क और सौंदर्यीकरण की सौगात

गूलरभोज। गदरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा रोशनपुर स्थित डल बाबा मंदिर परिसर में श्रद्धेय राजा जगत देव जी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक आस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक अहम पड़ाव बनकर सामने आया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा घोषित विकास कार्यों ने स्थानीय जनता की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं को नई आशा दी है।श्री धामी ने डल बाबा मंदिर परिसर को एक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा के साथ ही क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को भी बल मिला है। मंदिर परिसर में बाउंड्री वॉल, भव्य टीन शेड युक्त भंडारा हॉल, पक्का फर्श और सुलभ शौचालयों के निर्माण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, वहीं

सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के लिए एक स्थायी आधार भी तैयार होगा।श्री धामी ने इसके साथ-साथ गदरपुर विधानसभा क्षेत्र की दो प्रमुख सड़कों के सुदृढ़ीकरण की घोषणा कर ग्रामीण इलाकों को सीधा लाभ पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। ग्राम बलराम नगर से खेमपुर तक तथा ग्राम सीतापुर से ए.एन.के. इंटर कॉलेज तक बनने वाली नई सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाएंगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति देंगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन सड़कों के बनने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और सामाजिक नेताओं ने इन घोषणाओं को गदरपुर विधानसभा के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है और घोषित योजनाएं इसका प्रमाण हैं।श्रद्धेय राजा जगत देव जी की 9 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा की स्थापना ने बुक्सा समाज सहित पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल बनाया। क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह प्रतिमा केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज की एकता और स्वाभिमान का संदेश भी देती है।कुल मिलाकर, राजा जगत देव जी की जयंती का यह अवसर गदरपुर विधानसभा के लिए आस्था, सांस्कृतिक गौरव और विकास की त्रिवेणी के रूप में याद किया जाएगा, जहां परंपरा के सम्मान के साथ भविष्य की मजबूत नींव रखी गई।इस गरिमामयी अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर, नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुग, वरिष्ठ नेता काबल सिंह विर्क, एसटी आयोग सदस्य बाबू सिंह तोमर, मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना, राजकुमार, गोविंद, कुंदन, गुड्डो देवी, गुलशन, बृजेश सिंह , पवन सिंह,कर्म सिंह,कश्मीर सिंह,मुकेश राणा और बबलू राजपूत सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता व देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामपाल बने भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।नगर निगम रुद्रपुर के पूर्व महापौर और भाजपा के वरिष्ठ नेता रामपाल सिंह को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, उत्तराखंड का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जिले भर में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल देखा गया। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, सामाजिक संगठन और आम नागरिक उन्हें बधाई देने पहुंचे।रामपाल सिंह लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। महापौर रहते हुए उन्होंने रुद्रपुर नगर में विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनसमस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके कार्यकाल को आज भी जनसेवा और विकास के दृष्टिकोण से याद किया जाता है।पार्टी

नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, अनुसूचित समाज के हितों को प्रदेश स्तर पर मजबूती से उठाने और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से सौंपी है। उनके अनुभव, संगठन के प्रति निष्ठा, जमीनी पकड़ और अनुसूचित समाज के प्रति संवेदनशील सोच को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।नियुक्ति की घोषणा के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रामपाल सिंह को बधाई दी और कहा कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जाति मोर्चा उत्तराखंड में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। युवाओं को संगठन से जोड़ने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।रामपाल सिंह ने नियुक्ति पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे और अनुसूचित समाज के हितों के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे।

लापरवाही पर होम्योपैथिक चिकित्सक की सेवा समाप्त

दो वर्षों से बिना सूचना ड्यूटी से गायब रहने पर मुख्यमंत्री ने की कार्रवाई

देहरादून (उद संवाददाता)।राज्य सरकार ने अनधिकृत अनुपस्थिति के मामलों में कड़ा रुख अपनाते हुए एक होम्योपैथिक चिकित्सक की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित चल रही चिकित्सक के विरुद्ध की गई कार्रवाई का अनुमोदन किया है।देहरादून जनपद के राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय चकराता में तैनात चिकित्सक उमंग शर्मा लगभग दो वर्षों से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाई गई थीं। विभागीय स्तर पर उन्हें कई बार कार्यस्थल पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपनी तैनाती स्थल पर योगदान नहीं किया।मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध मूल नियम 18(3) के तहत सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू की गई थी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत मामला शासन स्तर पर प्रस्तुत किया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने अंतिम अनुमोदन प्रदान करते हुए सेवा समाप्ति की कार्रवाई को स्वीकृति दे दी।सरकार के इस फैसले को प्रशासनिक अनुशासन और जवाबदेही की दिशा में सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। शासन का स्पष्ट मानना है कि जनसेवा से जुड़े पदों पर कार्यरत कर्मियों की लापरवाही को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आवास परिसर में ट्यूलिप उत्पादन की शुरुआत

17 प्रजातियों के चार हजार ट्यूलिप उगाने की मुहिम शुरू

देहरादून । मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में ट्यूलिप उत्पादन की दिशा में नई पहल की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परिवार के साथ उद्यान में ट्यूलिप के बल्ब रोपकर 17 प्रजातियों के ट्यूलिप उगाने की मुहिम का शुभारंभ किया। इस बार परिसर में कुल चार हजार ट्यूलिप के बल्ब रोपे जा रहे हैं, जिनमें लेक पर्पल और बाईकलर जैसी आकर्षक रंगत वाली प्रजातियां भी शामिल हैं।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उद्यान विभाग को ट्यूलिप के व्यावसायिक उत्पादन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुष्प उत्पादन और बागवानी के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकें। मुख्यमंत्री ने ट्यूलिप उत्पादन से जुड़ी जानकारी उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित से प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री आवास परिसर में किए जा रहे मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और अन्य बागवानी गतिविधियों की भी जानकारी ली। सरकार का उद्देश्य बागवानी और पुष्प उत्पादन को आय के वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित करना है, जिससे किसानों और युवाओं को लाभ मिल सके।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

कांग्रेस के पतन की जिम्मेवारी किसकी?

देश की राजनीति जो करवट ले रही है, उसे देखकर यह आकलन करना पड़ रहा है। लेकिन उससे पहले गांधी परिवार शब्द को स्पष्ट कर देना जरूरी है। दरअसल आज देश की राजनीति में जिस परिवार को गांधी परिवार के नाम से जाना जाता है, वह विस्तृत नेहरु परिवार है जिसे अंग्रेजी में एक्सटेंडेड नेहरु फैमिली कहा जाता है। यह दरअसल पंडित जवाहर लाल नेहरु की बेटी का परिवार है। इसका महात्मा गान्धी या उनके परिवार से कुछ लेना-देना नहीं है। नेहरु जी की बेटी इंदिरा गान्धी के दो बेटे राजीव गान्धी और संजय गान्धी थे। संजय गान्धी के परिवार की चर्चा आजकल विस्तृत नेहरू परिवार में नहीं होती। भारतीय राजनीति में जिसे नेहरु-गान्धी परिवार कह दिया जाता है वह भी दरअसल राजीव गान्धी का ही परिवार है। राजीव गान्धी के परिवार में उनका बेटा राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी हैं। राहुल गान्धी ने न जाने किन कारणों से ब्रह्मचर्य का व्रत ले लिया है इसलिए उसका आगे परिवार नहीं है। प्रियंका गान्धी की शादी एक पंजाबी बढेरा परिवार में हुई है जिसे अंग्रेजी में वाड्रा कहा जाता है। इसका कारण शायद उनके पति राबर्ड द्वारा ईसाई मजहब में मतान्तरित हो जाना कहा जाता है। कारण कोई भी हो, कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भारतीय राजनीति में नेहरू-गान्धी परिवार के नाम पर राबर्ट वाड्रा का परिवार है जिसमें उसकी पत्नी प्रियंका गान्धी वाड्रा और उसके दो बच्चे हैं। उनके बेटे की सगाई किसी अबीवा बेग नामक लडकी से हो गई है, इसलिए अब प्रियंका गान्धी वाड्रा सास बनने की स्थिति में आ गई हैं और सोनिया गान्धी परदादी। यानी इस परिवार में अब दो परिवार हैं। राहुल गान्धी जो ब्रह्मचारी हैं और राबर्ट वाड्रा जिन्होंने पिछले दिनों कहा था कि देश की जनता वाड्रा परिवार की प्रियंका गान्धी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहती है। लेकिन राहुल गान्धी की मां सोनिया गान्धी की लम्बे समय से इच्छा रही है कि परिवार में गद्दी का वारिस राहुल है, बेटी जो पराया धन है, नहीं। इसलिए वो लम्बे समय से राहुल गान्धी को कांग्रेस की कमान इस आशा में दिए हुए हैं कि एक न एक दिन भारत के लोग पुनः सत्ता कांग्रेस को सौंप देंगे, तब राहुल गान्धी प्रधानमंत्री बन जाएंगे। कहा जाता है कि इटली की मानसिक चेतना में भी लडकों को लडकी के मुकाबले वरीयता दी जाती है। लेकिन सोनिया गान्धी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि समय मु;ी में से रेत की तरह निकला जा रहा है लेकिन भारत के लोग तथाकथित नेहरु-गान्धी परिवार को सत्ता सौंप देने की जल्दी में नहीं लगते। इधर वाड्रा परिवार का धैर्य भी चुक रहा है। जो कभी वाड्रा परिवार की बहू थी, वह सास बनने तक पहुंच गई है, लेकिन सत्ता दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही। कहीं हालत वाड्रा परिवार और राहुल गान्धी में ही रस्साकशी की तो नहीं बन रही? यदि ऐसा होता है तो सोनिया गान्धी किसके साथ खड़ी होंगी? यह प्रश्न भी भारतीय राजनीति में सिर उठाने लगा है। परिवार की इस लड़ाई का लाभ दूसरे राजनीतिक दल उठाने लगे हैं। सबसे पहले भारतीय राजनीति में से अस्त होते जा रहे कम्युनिस्ट समूह। वे राहुल गान्धी और सोनिया गान्धी के इर्द-गिर्द घेरा बांधे रहते हैं। सोनिया गान्धी और राहुल गान्धी का अब विचारधारा या भारतीय दृष्टि से कुछ लेना-देना नहीं हैं। उनको केवल सत्ता चाहिए। कम्युनिस्ट समूह समझ गए हैं कि वे भारत में सत्ता के शिखर तक नहीं पहुंच सकते। लेकिन उन्होंने गान्धी-नेहरु परिवार को किसी तरह समझा दिया है कि वे अपनी विचारक रणनीति से गान्धी नेहरु परिवार को सत्ता तक पहुंचा सकते हैं। यही कारण है कि राहुल गान्धी अब भारत को लेकर जो कुछ बोलते करते रहते हैं, उसका महात्मा गान्धी और पंडित जवाहर लाल नेहरु से भी कोई संबंध नहीं है। सोनिया गान्धी और कम्युनिस्ट समूहों के अपने अपने राजनीतिक स्वार्थ हैं।

उत्तराखंड में कार्बन क्रेडिट से बढ़ेगी आय की संभावनाएं

इलेक्ट्रिक बसों, वन पंचायतों और सहकारिता के जरिए कार्बन क्रेडिट अर्जन पर जोर

देहरादून। उत्तराखंड में कार्बन क्रेडिट को आय का सशक्त स्रोत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को सचिवालय में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में कार्बन क्रेडिट को लेकर संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागों द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तराखंड के लिए कार्बन क्रेडिट भविष्य में महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत बन सकता है। इसके लिए सभी विभागों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में संभावनाओं की पहचान करनी होगी और कार्बन क्रेडिट अर्जित करने की दिशा में ठोस तैयारियां करनी होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में पर्यावरण विभाग कार्बन क्रेडिट के लिए नोडल

विभाग के रूप में कार्य करेगा। साथ ही शुरुआत में ऐसे कार्यों पर फोकस किया जाए,जिनमें कम समय में बेहतर परिणाम मिलने की संभावना हो।बैठक में बताया गया कि राज्य में एक हजार इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि परिवहन विभाग इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के माध्यम से कार्बन क्रेडिट का लाभ प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा वन पंचायतों के जरिए वन विभाग और प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से सहकारिता विभाग भी कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। इन क्रेडिट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।मुख्य सचिव ने पर्यावरण विभाग को निर्देश दिए कि कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में तकनीकी और व्यावहारिक मार्गदर्शन के लिए शीघ्र किसी एजेंसी को नॉलेज पार्टनर के रूप में जोड़ा जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से आपसी समन्वय के साथ इस दिशा में कार्य करने को कहा, ताकि राज्य को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, अतिरिक्त प्रमुख मुख्य वन संरक्षक एस.पी. सुबुद्धि सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और नाबार्ड के अधिकारी मौजूद रहे।

जल संसाधन संगणना के लिए कार्यशाला आयोजित

सांतवी लघु सिंचाई, द्वितीय जल निकाय एवं प्रथम स्प्रिंग संगणना के सफल और पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।भारत सरकार, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित सांतवी लघु सिंचाई संगणना, द्वितीय जल निकाय संगणना और प्रथम स्प्रिंग संगणना के सफल, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई सुशील कुमार और अपर मुख्य अधि समग्र विकास और संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। संगणना से प्राप्त डिजिटल डाटा संग्रहण प्रणाली के माध्यम से संगणना कार्य करने का आग्रह किया, जिससे आंकड़ों की सटीकता, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने फील्ड कर्मचारियों को समय पर प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और आवश्यक संसाधन उपलब्ध

निर्देशन में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय उप-समिति की बैठक और एक दिवसीय प्रशिक्षण/कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ डीएफओ यूसी तिवारी, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वी.के. यादव, कारी जिला पंचायत जी.के. भट्ट ने किया। बैठक में संगणना कार्यों की प्रगति, कार्ययोजना, फील्ड स्तर पर क्रियान्वयन की रणनीति और विभागीय समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई।अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई ने बताया कि यह संगणना जनपद के जल संसाधनों के आंकड़े भविष्य की जल प्रबंधन योजनाओं और नीति निर्माण के लिए मजबूत आधार प्रदान करेंगे। प्रभागीय वनाधिकारी ने आश्वासन दिया कि वन क्षेत्रों में पड़े जलश्रोतों की संगणना हेतु वन विभाग सहयोग सुनिश्चित करेगा।ट्रेनर राहुल शर्मा ने मोबाइल एप आधारित कराने का भी आश्वासन दिया। कार्यशाला में जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल, अधिशासी अभियंता जल निगम सुनील जोशी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील सहित संबंधित विभागों के सहायकऔर अवर अभियंता उपस्थित थे।

इंदौर: स्वच्छता की चादर से ढकी गंदगी

इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 14 मौतें ,स्वच्छता के कथित मानकों पर खड़े हुए सवाल

इंदौर मध्य प्रदेश ही नहीं देश के स्वच्छतम शहरों की श्रेणी में रहा है। लेकिन अब इसकी आई सच्चाई ने उजागर कर दिया कि इस महानगर की गंदगी को स्वच्छता की चादर से ढक दिया गया था। जिससे इंदौर को देशव्यापी स्वच्छता का खिताब मिलता रहे। किंतु अब दूशित पेयजल से हुईं 14 मौतों ने झूठ से पर्दा उठा दिया है। स्वच्छता के कथित मानकों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लेकिन इन सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर हम अपने नागरिकों को षुद्ध पेयजल पिलाने में क्यों असफल सिद्ध हो रहे हैं। मानव शरीर के लिए शुद्ध पेयजल पहली जरूरत है। क्योंकि हम बिना भोजन के तो जीवित रह सकते हैं, लेकिन जल के बिना जीवन कतई संभव नहीं है। मानव शरीर में 70 प्रतिशत जल की उपलब्धता है।भागीरथपुरा में नर्मदा नदी से पाइपलाइन के जरिए आने वाले जल में शौचालय का दूषित जल शुद्ध पेयजल में लंबे समय से मिलता रहा। बस्ती के लोग इस पानी को यह मानकर पीते रहे कि नगर निगम द्वारा पिलाया जाने वाला शुद्धता के मानकों पर खरा होगा ही। लेकिन धरती के नीचे बह रहा सीवर का मल नर्मदा के जल में पाइप लाइन फूट जाने से घुलता रहा। लोगों को जब पानी में गंदगी का अहसास हुआ तो शिकायत भी की गई। लेकिन निगम और जिला प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। जब 14 लोगों की मौत हो गई और 1000 के करीब लोग अस्पतालों में भर्ती हो गए, तब प्रशासन जागा और नागरिकों द्वारा बताए स्थल की खुदाई की। तब कहीं जाकर पता चला कि सीवर और पेयजल की लाइनें फूट जाने से नर्मदा जल में गंदगी डेढ़ वर्श से विलय हो रही थी। इस कारण लोगों की प्रतिरोधात्मक क्षमता घटती गई और बीमारी एवं मौत कहर बनकर टूट पड़े।अब कुछ कर्मचारियों को निलंबित करके प्रषासन मामले को ठंडा करना चाहता है। लेकिन निलंबन कोई सजा नहीं है। नगरीय विकास मंत्री कैलाष विजयवर्गीय इंदौर के इसी निर्वासन क्षेत्र से निर्वाचित हैं और पेयजल की आपूर्ति करने वाला विभाग भी उन्हीं के अधीन है। अतएव जब जुम्मेबार मंत्री से इस जानलेवा लापरवाही से जुड़े सवाल किए गए तो उन्होंने बौखलाकर अपा खो दिया और बोले, ये सब फोकट के सवाल हैं, इन्हें मत पूछिए। यह उनकी संवेदनहीनता दर्शाने वाला उत्तर था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद जब उनकी थू-थू हुई तो उन्होंने खेद जताकर मुक्ति पा ली। लेकिन साफ है, भाजपा सरकार के मंत्री इस हद तक मद में चूर हो गए हैं कि अब उन्हें अपने उत्तरदायित्वों का उचित ख्याल तक नहीं रहता। यदि रहता तो कैलाश विजयवर्गीय को एहसास होता कि इस तरह की लापरवाही का उपचार महज सरकारी खानापूर्ति न होकर सजगता के साथ समस्या का हल खोजना था। इस दूषित पेयजल कांड के चलते

इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव तो इतने विचलित हुए कि जब अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने उनके निर्देश को महत्व नहीं दिया तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि अधिकारी सुनते नहीं है, इसलिए ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था में काम करना मुझ जैसे व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, अधिकारी बातचीत करने तक को तैयार नहीं हैं। इस संदेश को मुख्यमंत्री तक पहुंचा दीजिए। भार्गव कलेक्टर शिवम वर्मा पर भी नाराज हुए। दरअसल भार्गव ने मौतों का सिलसिला शुरू होने से पहले कलेक्टर को कहा था कि भागीरथपुरा से उल्टी-दस्त की शिकायत आ रही हैं।शुद्ध पानी की कमी शरीर में ऐसी बीमारियों को पैदा करने का सबब बनता है कि समय पर उपचार नहीं हुआ तो मौत निश्चित है। इस दूषित जल के कारण उल्टी-दस्त, डायरिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस भी जैसी बीमारियां पेट में जन्म ले लेती हैं। यही हश्र भागीरथपुरा में रहने वाले लोगों का हुआ। यदि इंदौर को लगातार कई साल तक स्वच्छता के तमगे नहीं मिले हो तो शायद इन मौतों की देश-परदेश के मीडिया में चर्चा भी नहीं हुई होती ? लेकिन कार्यपालिका और विधायिका तमगों के लिए किस तरह से गंदगी पर चादर बिछाती है, यह हकीकत इंदौर में हुई इन मौतों ने सामने ला दी है। दरअसल नागरिकों को शुद्ध पानी पिलाने के दावे चाहे जितने किए जाएं, ये हकीकत से बहुत दूर है। इसीलिए भारत में जल जनित बीमारियों की बहुलता पूरे साल बनी रहती है। विष्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते है कि दुनिया के पौने दो अरब लोग दूशित पानी पीने के लिए अभिषब्द हैं। इस कारण दुनियाभर में हर साल पचास लाख से ज्यादा लोग दूशित पानी पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर देते हैं। मध्यप्रदेष में ज्यादाजर नगरीय निकायों की हालात बहुत खराब है। कोई भी निकाय यह दावा नहीं कर सकता कि वह शुद्ध पानी पिला रहा है। ज्यादातर नगरीय निकायों में पानी की मानकों के अनुसार जांच ही नहीं होती है। यह लापरवाही तब से और ज्यादा बरती जाने लगी हैं, जब से आरओ और बोतलबंद पानी की सुविधा सक्षम लोगों के लिए उपलब्ध हो गई है। मध्यप्रदेश में बारहमासी नदियां होने के कारण पानी की कोई कमी नहीं है। पानी बरसता भी खूब है। इन्हीं नदियों पर बने बांधों से ज्यादातर नगरों में पेयजल प्रदाय किया जाता है। लेकिन हम अपने इस प्राकृतिक वरदान को तात्कालिक लाभ के चलते अभिशाप में बदलने में लगे हुये हैं। औद्योगिक क्षेत्र की अर्थ दोहन की ऐसी ही लापरवाहियों के चलते मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में लगे स्टील संयंत्र रोजाना करीब 60 टन दूषित मलवा नदियों में बहा कर उन्हें जहरीला तो बना ही रहे हैं, मनुष्य -मवेशी व अन्य जलीय जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा भी साबित बना रहे हैं। दरअसल इन स्टील संयंत्रों में लोह के तार व चद्दरों को जंग से छुटकारा दिलाने के लिये 32 प्रतिशत सान्द्रता वाले हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का इस्तेमाल किया जाता है। तारों और चद्दरों को तेजाब से भरी बड़ी-बड़ी हौदियों में जब तक बार-बार डुबोया जाता है, तब तक ये जंग से मुक्त नहीं हो जातीं ? बाद में बेकार हो चुके तेजाब को मलबा की चामला नदी से जुड़े नालों में बहा दिया जाता है। इस कारण नदी का पानी लाल होकर प्रदूषित हो जाता है, जो जीव-जंतुओं को हानि तो पहुंचाता ही है यदि इस जल का उपयोग सिंचाई के लिये किया जाता है तो यह जल फसलों को भी पर्याप्त नुकसान पहुंचाता है। पूरे मध्यप्रदेश में इस तरह की पंद्रह औद्योगिक इकाइयां हैं। लेकिन अकेले मालवा क्षेत्र और इंदौर के आसपास ऐसी दस इकाइयां है, जो खराब तेजाब आजू-बाजू की नदियों में बहा रही हैं। ये छोटी नदी और नाले आगे जाकर नर्मदा में विलय होते हैं। साफ है, नर्मदा के जल को दूषित करने के एक नहीं अनेक कारण हैं, जिनके समाधान प्रदेश की भाजपा सरकार पिछले 20 साल से नहीं खोज पाई है।

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

किसानों के डिजिटल डाटा अपडेट हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

किच्छा(उद संवाददाता)।भारत सरकार की फार्मर रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत किसानों के खातों का डिजिटल डाटा तैयार करने और उन्हें यूनिक आईडी से जोड़ने के उद्देश्य से किच्छा तहसील में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सभी ऑपरेटरों और संबंधित कर्मचारियों को डिजिटल डाटा तैयार करने और यूनिक आईडी बनाने के तरीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।इस योजना के तहत प्रत्येक किसान के खाते को एक यूनिक आईडी से जोड़ा जाएगा। इस आईडी के माध्यम से किसानों को सरकार की सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा, जिससे उन्हें अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।4 जनवरी से तहसील क्षेत्र के सभी किसानों के डाटा को एकत्रित कर

उनके लिए यूनिक आईडी बनाने का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।शिविर में उपस्थित सभी ऑपरेटरों को मास्टर ट्रेनर डॉक्टर पीयूष मिश्रा द्वारा डिजिटल डाटा तैयार करने के तरीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में ऑपरेटरों को प्रैक्टिकल रूप से डाटा तैयार करने, सत्यापन और डिजिटल प्रणाली में अपलोड करने का तरीका भी सिखाया गया।तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत राज्य के किसानों के सभी खातों को डिजिटल आईडी से जोड़ने का कार्य कृषि विभाग, राजस्व विभाग, मत्स्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से किसानों के खातों में किसी भी प्रकार की त्रुटियों को राजस्व अधिकारियों द्वारा दुरुस्त कर सत्यापित किया जाएगा।सहायक कृषि अधिकारी सत्यपाल गंगवार ने बताया कि योजना का उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे, सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऑपरेटर प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद क्षेत्र में जाकर किसानों का सभी डाटा एकत्रित करेंगे, उसे डिजिटल रूप में तैयार करेंगे और राजस्व अधिकारियों से सत्यापन कराकर सरकार को रिपोर्ट सौंपेंगे।उन्होंने बताया कि यह योजना किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके जरिए उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ कुशल और समयबद्ध तरीके से मिलेगा।

जनवरी में लाभार्थियों को दो बार बटेगा सरकारी राशन

पीडीएस में चावल का आवंटन नहीं होने पर आई समस्या

सितारगंज।सरकारी सस्ता गल्ला का राशन धान की कुटाई नहीं होने से राशन उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। जिससे उपभोक्ताओं के आगे अनाज की समस्या आ गई है। पूर्ति विभाग ने समस्या के समाधान के लिए दिसंबर और जनवरी का राशन जनवरी माह में दो बार वितरण करने की योजना बनाई हैं। क्षेत्र में लगभग 52 हजार राशन कार्ड धारक है। इन कार्ड धारकों को दिसंबर और जनवरी माह में दो माह का सरकारी राशन नहीं मिला है। पूर्ति विभाग के अनुसार इस बार धान खरीद के बाद नया चावल पीडीएस को अभी तक आवंटित नहीं हुआ है। जिसकी वजह से सरकारी राशन वितरण की प्रक्रिया बाधित हुई है। कुर्सी विभाग के अनुसार दिसंबर और जनवरी का राशन सरकारी सट्टा गला विक्रेताओं को जनवरी माह में दो बार वितरण करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। पूर्ति निरीक्षक विक्रम सिंह धामी ने बताया कि राशन उपभोक्ताओं की केवाईसी प्रक्रिया में सितारगंज तहसील जिले भर में प्रथम स्थान पर आई है। केवाईसी भीम 31 दिसंबर तक निर्धारित थीं। अभी तक 234000 यूनिट में से 150376 यूनिट की केवाईसी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जनवरी माह में पिछले दो माह का राशन बंटेगा। इसी दौरान उच्च अधिकारियों से प्राप्त आदेश के अनुसार शेष राशन उपभोक्ताओं की केवाईसी प्रक्रिया भी सस्ता गल्ले की दुकानों में पूर्ण कर दी जाएगी।

जन्मदिन की पार्टी में शराब के नशे में दबंगों का तांडव

किच्छा(उद संवाददाता)।पुलभट्टा थाना क्षेत्र के शंकर फॉर्म में एक परिवार के जन्मदिन समारोह के दौरान शराब के नशे में धुत तीन युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि उन्होंने गाली गलौज के साथ मारपीट की और साउंड सिस्टम सहित घरेलू सामान को तोड़-फोड़ कर दिया। जानकारी के अनुसार, 1 जनवरी को ग्राम शंकर फॉर्म निवासी अरुण के चचेरे भाई राजवीर का जन्मदिन था। परिवारजनों ने घर में बर्थडे पार्टी का आयोजन किया और सभी डी.जे. पर नृत्य कर रहे थे। तभी गांव निवासी प्रदीप कुमार, अमित कुमार और बॉबी शराब के नशे में मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने बिना किसी वजह के गाली गलौज शुरू कर दी और परिवार के लोगों से विवाद करने लगे। जब परिवारजनों ने विरोध किया, तो आरोपियों ने दबंगई दिखाते हुए पार्टी का डी.जे. बंद कर साउंड सिस्टम और अन्य घरेलू सामान में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद आरोपी धमकियां देते हुए मौके से चले गए। पीड़ित अरुण ने बताया कि अगले दिन सुबह, आरोपी अमित और बॉबी फिर उनके घर आए और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने का प्रयास किया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपियों से उसके परिवार की जान और माल का खतरा उत्पन्न हो गया है और इस घटना के लिए कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत विकास परिषद् ने शुरू किया गर्म वस्त्र एवं धन संग्रह अभियान

रूद्रपुर। भारत विकास परिषद्, रूद्रपुर शाखा द्वारा विगत 25 वर्षों से निरंतर आयोजित किए जा रहे गर्म वस्त्र एवं धन संग्रह अभियान का आयोजन शुक्रवार को रुद्रपुर के मेन बाजार क्षेत्र में किया गया।शीत ऋतु के दौरान बच्चों, वृद्धों एवं असहाय जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से परिषद के सदस्यों ने नगर भ्रमण कर आमजन से गर्म कपड़े व आर्थिक सहयोग का आह्वान किया। अभियान को क्षेत्र की जनता से भरपूर समर्थन मिला और लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर नरेन्द्र अरोरा, हरनाम चौधरी, आनंद अग्रवाल, गुरमीत सिंह, दीपक अरोरा, जतिन अग्रवाल, राजकुमार खनीजो, सोनू चुघ,

संजय सिंघल, कीर्ति निधि शर्मा, गौरव सिंघल, अजय अग्रवाल, अशोक सिंघल, शक्ति बठला, राजेश सलूजा, अमित गंभीर, राजू गावा, पंकज बांगा, राहुल सिंगल, यमन बबर, राजकुमार बिंदल, अमित अरोरा, राकेश बंसल, वी.पी. गुप्ता, संजीव अरोरा, राजेंद्र सहाय, केवल कृष्ण इशपूजनी, सुरेश बब्बर, मनोज मित्तल, हरीश इशपूजनी, ललित मोहन गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।परिषद पदाधिकारियों ने नगरवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

अवैध शराब सहित दो तस्कर दबोचे

किच्छा। कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने गश्त के दौरान दो शराब तस्करों को अवैध कच्ची शराब के साथ धर दबोचा।सूत्रों के अनुसार, लालपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बसंत प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम को सूचना मिली कि बीटीसी फैक्ट्री के पास कोई संदिग्ध व्यक्ति अवैध शराब लेकर घूम रहा है। टीम ने तुरंत मौके पर कार्रवाई करते हुए ग्राम दुर्गा मिल, किच्छा निवासी विनोद यादव को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से करीब 35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।वहीं, दूसरे मामले में कलकत्ता पुलिस चौकी प्रभारी एसआई ओम प्रकाश सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम को सूचना मिली कि माता फॉर्म-नजीबाबाद संपर्क मार्ग पर शराब तस्करी की गतिविधि चल रही है। टीम ने जांच कर धौराडॉम, नजीबाबाद निवासी लखविंदर सिंह को पकड़ा। उसके पास से करीब 23 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।कोतवाली क्षेत्र में किराए पर रह रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान हरीश पुत्र हरि प्रकाश, उम्र 35 वर्ष, जिला मुडापांडे के गणेशपुर निवासी के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ प्रीत विहार में किराएपर रह रहा था और पेशे से पेंटर था। पुलिस ने सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली और शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, और मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी।

मामूली बात पर आरोपियों ने देवर भाभी को पीटा

किच्छा। मामूली बात पर दबंगों ने देवर भाभी से गाली गलौज एवं हथौड़ी से वार कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। कोलकाता थाना पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 19 सिरौली कला निवासी नहीम पुत्र मुन्ने ने बताया कि वार्ड 19, सिरौली कला निवासी तनवीर पुत्र शकील द्वारा पीड़ित के भाई को झूठी सूचना देकर पीड़ित के सिगरेट पीने की शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि 2 जनवरी की सुबह जब पीड़ित ने आरोपी तनवीर से झूठी शिकायत करने का कारण पूछा तो तनवीर ने पीड़ित से गाली गलौज एवं झगड़ा शुरू कर दिया। आरोप है कि बातचीत के दौरान आरोपी तनवीर के दोस्त स्थानीय निवासी जहीम ने दुकान में रखी हथौड़ी उठाकर प्रार्थी के पैर में मार दी। जिससे प्रार्थी का पैर जख्मी हो गया और खून बहने लगा। इसी बीच जहीम से हथौड़ी लेकर तनवीर ने भी पीड़ित पर हथौड़ी से वार कर दिया। बताया कि बीच बचाव को आई पीड़ित की भाभी के साथ दोनों आरोपियों ने गाली गलौज कर मारपीट कर दी। बीचबचाव के दौरान भाभी के पास रखी 6 हजार रुपए की नगदी मौके पर ही गिरने के बाद गुम हो गई। फिलहाल पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

पेज एक का शेष...

अंकिता को न्याय के लिए .....ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अंकिता हत्याकाण्ड के दोषी प्रभावशाली नेताओं को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अंकिता को न्याय नहीं मिला तो प्रदेश भर में आंदोलन तेज किया जायेगा। विरोध प्रदर्शन में सौरभ बेहड़, संजय जुनेजा, इंद्रजीत सिंह, ममता रानी, किन्नु शुक्ला, मोहन खेड़ा, परवेश कुरैशी, राजेंद्र मिश्रा, कमल चुघ, अरशद खान, मोनिका डाली, प्रेमा भट्ट, जस्सी देओल, सुनीता कश्यप, रेखा यादव, पूर्व सभासद कलावती , पूर्व सभासद ओम प्रकाश , हरीश इंमंतं, रविंद्र गुप्ता, गुलशन सिंह, परिमल राय, हरीश पनेरू, हरभजन सिंह, सुभाष बेहर, सिद्धार्थ भुसरी, वीरेंद्र सिंह, सुमितर भुल्लर, विश्वजीत, जावेद अख्तर, धीरज सिंह, महेंद्र शर्मा जितेश शर्मा, हिमांशु आर्य, वंश कुमार, नरेंद्र गुप्ता, बादशाह खान सहित सैकड़ों कांग्रेसी शामिल थे। **गदरपुर-** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली उत्तराखंड की प्रदेश सरकार द्वारा अंकिता भंडारी के हत्यारों को बचाए जाने के विरोध में कांग्रेसियों द्वारा एक महा जनसभा करते हुए आक्रोश रैली आयोजित करने के साथ एक ज्ञापन तहसील मुख्यालय पहुंचकर तहसीलदार लीना चन्द्रा को सौंपा गया । राष्ट्रीय राजमार्ग 74 पर तहसील गदरपुर से रुद्रपुर रोड पर आयोजित जनसभा में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया,उनका कहना था कि प्रदेश सरकार एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री आरोपियों के नाम उजागर होने के बावजूद, आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही । जिस पर पूरे प्रदेश भर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे लगाने वाली सरकार के विरुद्ध एक जन आक्रोश उमड़ पड़ा है और पूरे प्रदेश में जगह-जगह पर धरना प्रदर्शन रैलियां एवं ज्ञापन दिए जाने का क्रम जारी है वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अंकिता भंडारी के अलावा अन्य मातृशक्ति पर भी जुल्म किए गए हैं । जिन्हें आज तक न्याय नहीं मिला । जनसभा को श्री नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा,जसपुर विधायक आदेश सिंह चौहान, किसान कांग्रेस नेता हरेंद्र सिंह लाडी,कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा,ममता हालदार ,पूर्व पालिकाध्यक्ष अनिल सिंह,रुद्रपुर की पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा, दीपिका गुड़िया, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट, मनोज देवराड़ी,सत्यजीत सिंह गुलाटी सहित तमाम वक्ताओं ने संबोधित किया । इस मौके पर भारी संख्या में दिनेशपुर, गूलरभोज आदि ग्रामीण क्षेत्रों से मातृशक्ति ने प्रतिभाग किया,जो कि अंकिता भंडारी के हत्यारों को फांसी दो, सजा दो, के स्लोगन लिखी तख्तियां व बैनर लेकर प्रदर्शन करते हुए पहुंची । इस दौरान इंद्रपाल सिंह संध , गुरविंदर विर्क ,शैलेंद्र शर्मा, हरभजन सिंह ,विजय प्रधान, विजय कुमार ,गगनदीप सिंह, संजीव अरोड़ा,दीपिका गुड़िया, मोहन जी,काशीपुर महानगर अध्यक्ष पूजा सिंह,गौरव डंग,चंद्रा जोशी राजू डुमरा,भूपेंद्र कौर बेदी,फुरकान अहमद,अहमद अली तिवारी राजेश बाबा,अमरजीत सिंह,विश्वनाथ शाहू,सतजीत सिंह गुलाटी सहित सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

परिवार रजिस्टरों की होगी.....ससुराल के लोगों के नाम भी यहां के गांव के परिवार रजिस्टर में दर्ज पाए गए। ये परिवार यूपी में भी सरकारी सुविधाओं का फायदा उठा रहे थे और उत्तराखंड में भी लाभ ले रहे थे। ऐसे भी ग्राम प्रधान मिले जोकि यूपी के मूल निवासी थे और वे उत्तराखंड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जन प्रतिनिधि बन गए।ऐसे मामले परगना अधिकारी से लेकर डीएम की अदालतों में चलते रहे और वे यहां प्रधान बने रहे।

अवैधा हथियार के साथ.....में कहाँ से और किससे प्राप्त हुए थे। गिरफ्तार युवक उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली, थाना शीशगढ़ का निवासी है। सूत्रों के अनुसार, वह रुद्रपुर में पहले ठेकेदारी का काम करता था। पुलिस उसके शहर में आने और अवैध हथियार रखने के उद्देश्य की जांच कर रही है।पुलिस ने युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारीयों ने बताया कि इस तरह की लगातार गश्त और सतर्कता से क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिल रही है।

मित्र पुलिस की 'स्मार्ट पुलिसिंग'......राजनीतिक दबाव के चलते उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा रही है। गदरपुर विधायक ने प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वालों की गिरफ्तारी न किए जाने के कारण को लेकर पुलिस को अपराधी तक घोषित कर दिया और उधम सिंह नगरएसएसपी पर भी तीखे व्यंग्य बाण चलाए। हालांकि गदरपुर के भाजपा विधायक एवं उनके समर्थकों का एसपी क्राइम निहारिका तोमर द्वारा ज्ञापन ले लिए जाने के बाद मामले का तात्कालिक पटाक्षेप हो गया ,मगर सत्ता पक्ष के विधायक की पुलिस द्वारा उपेक्षा और विधायक के पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने के गंभीर आरोप के मध्य नजर उधम सिंह नगर जनपद की मित्र पुलिस की स्मार्ट पुलिसिंग पर एक बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है, साथ ही यह सोचने पर भी मजबूर कर दिया है कि जब जिले की पुलिस सत्ता पक्ष के विधायक को ही भाव नहीं दे रही है तो आम जनता के साथ न जाने कैसा सुलूक करती होगी ?

पॉवर कॉर्पोरेशन के सेवानिवृत्त कर्मचारी रमेश खन्ना का आकस्मिक निधन

रुद्रपुर। उत्तराखंड पॉवर कॉर्पोरेशन के सेवानिवृत्त वरिष्ठ कर्मचारी एवं मजदूर यूनियन के नेता रमेश चंद्र खन्ना का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही कर्मचारी वर्ग, मजदूर संगठन और उनके सहयोगी गहरे शोक में डूब गए। श्री खन्ना ने अपने जीवन में हमेशा मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए संघर्ष किया। वे न केवल कर्मचारियों और मजदूरों के हक की आवाज उठाते रहे, बल्कि उनके लिए कई सामाजिक और कानूनी पहल में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनके नेतृत्व में मजदूरों ने अपने हकघ और सुविधाओं के लिए कई महत्वपूर्ण सफलताएँ हासिल कीं। उनके निधन की सूचना मिलते ही उत्तराखंड पॉवर कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके घर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री बलदेव सिंह औलख, बिलासपुर ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त की और श्रद्धांजलि अर्पित की। रमेश चंद्र खन्ना का व्यक्तित्व न केवल उनके कर्मठता और ईमानदारी के लिए याद किया जाएगा, बल्कि उनके संघर्ष और समर्पण की प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

नारियल फोड़ना नहीं, धरातल पर विकास मेरी प्राथमिकता : मेयर

बोले दिखावे की राजनीति नहीं बल्कि शहर का विकास उनका मुख्य संकल्प

रुद्रपुर। विकास केवल नारियल फोड़ने या दिखावटी उद्घाटनों से नहीं होता, बल्कि उसे धरातल पर उतारने के लिए निरंतर मेहनत, समन्वय और जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। यह स्पष्ट संदेश नगर निगम के मेयर विकास शर्मा ने नैनीताल रोड चौड़ीकरण कार्य को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में दिया। मेयर विकास शर्मा ने कहा कि किसी भी परियोजना के शुभारंभ के लिए नारियल फोड़ना आसान होता है, लेकिन उसे समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराना असली चुनौती है। उन्होंने बताया कि नैनीताल रोड के चौड़ीकरण में शुरुआती दौर में कई तकनीकी और प्रशासनिक बाधाएं सामने आईं। सड़क के दोनों ओर मौजूद पेड़, विद्युत पोल और पेयजल लाइनें कार्य में बड़ी रुकावट बनी हुई थीं, जिसके चलते प्रगति प्रभावित हो रही थी। मेयर ने बताया कि नगर निगम ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया। वन विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त कर पेड़ों के संबंध में प्रक्रिया पूरी की गई, विद्युत विभाग द्वारा पोल शिफ्टिंग का कार्य शुरू किया जा रहा है और पेयजल लाइन

से जुड़ी अड़चनों का भी समाधान कर लिया गया है। इन सभी बाधाओं के दूर होते ही अब सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल श्रेय लेना नहीं, बल्कि शहरवासियों को बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा देना है। इसी सोच के तहत वे स्वयं मौके पर निगरानी कर रहे हैं ताकि काम में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।उल्लेखनीय है कि नैनीताल रोड चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ पहले विधायक शिव अरोरा द्वारा नारियल फोड़कर किया गया था, लेकिन इसके बाद कई दिनों तक काम शुरू नहीं हो पाया। बाद में मेयर विकास शर्मा ने स्वयं पहल करते हुए पुनः नारियल फोड़कर कार्य को गति दी और संबंधित विभागों के बीच आ रही अड़चनों को दूर कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। परिणामस्वरूप अब सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेज रफ्तार से आगे बढ़ने जा रहा है। मेयर विकास शर्मा ने दो टूक कहा कि उनकी राजनीति दिखावे की नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली है। शहर का विकास तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ आम जनता को जमीन पर दिखाई देगा,यही उनका संकल्प है।

बाघ के हमले में महिला की मौत पर फूटा गुस्सा

ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर सड़क जाम की, एसएसपी के बयान पर नाराजगी

रामनगर। कॉर्बेट रिजर्व के ढेला रेंज अंतर्गत सांवल्दे गांव में बाघ के हमले से 60 वर्षीय महिला सुखियाँ की दर्दनाक मौत हो गई। वन विभाग और पुलिस की शव को रामनगर-ढेला मार्ग पर रखकर सड़क जाम कर दिया और बाघ को ट्रेंकुलाइज करने की मांग की। मृतका को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में पुलिस को संख्या कॉर्बेट में अधिक है और घटना अत्यंत दुखद है, लेकिन अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी के बयान पर ग्रामीणों दहशत में जी रहे हैं। प्रशासन को पीड़ा समझनी चाहिए, न कि हमें अपराधी की तरह पेश करना। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि जाम खुलवा दिया गया

संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाकर महिला का शव जंगल के अंदर से बरामद किया। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। गुस्साए ग्रामीणों ने बल प्रयोग करना पड़ा।एसएसपी ने बताया कि कुछ लोग हथियार और डंडों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे, जिन्हें रोका गया। उन्होंने कहा कि बाघ की में नाराजगी देखने को मिली। महेश जोशी ने कहा कि क्या एसएसपी को हम आतंकवादी नजर आते हैं? हम पहले से ही वन्यजीवों के बढ़ते हमलों से भय और और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा नियमों के अनुसार बाघ को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है।पीड़ित परिवार को नियमानुसार हर संभव मदद भी प्रदान की जाएगी।

रामनगर में बाघ के हमले में महिला की मौत पर सांसद अजय भट्ट ने जताया शोक

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं नैनीतालखउधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने रामनगर क्षेत्र में बाघ के हमले में महिला की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतका सुखियां देवी (पत्नी चंदू सिंह), निवासी सांवल्दे गांव, की आकस्मिक मृत्यु को अत्यंत दुखद बताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।सांसद अजय भट्ट ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।इस संबंध में सांसद ने जिलाधिकारी नैनीताल, ललित मोहन रयाल, से

दूरभाष पर वार्ता कर जिले में लगातार हो रहे वन्य जीव हमलों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी और ठोस कदम उठाए जाएं।अजय भट्ट ने कहा कि मानवखवन्य जीव संघर्ष एक गंभीर विषय है और जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वन्य जीवों के हमलों को रोकने के लिए तत्काल और सतत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिक सुरक्षित रह सकें।

जन–जन की सरकार कार्यक्रम से सुशासन की नई मिसाल

एक दिन में 204 शिविरों का आयोजन,प्रदेशभर में 1.35 लाख लोगों को मिला सीधा लाभ

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में सरकार और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करने की दिशा में "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस जनसंपर्क अभियान ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को कागजी प्रक्रियाओं से निकालकर सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाया है। दो जनवरी को आयोजित कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राज्य सरकार अब योजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल हो रही है।प्रदेश के सभी 13 जनपदों में एक ही दिन में 204 जनसेवा शिविर लगाए गए, जिनमें 1 लाख 35 हजार 194 से अधिक लोगों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई जनभागीदारी यह दर्शाती है कि यह कार्यक्रम आम जनता की वास्तविक जरूरतों से जुड़ा हुआ है। शिविरों के माध्यम से ग्रामीण, पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला या तहसील मुख्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।कार्यक्रम के दौरान 17 हजार 747 शिकायतें और प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 12 हजार 776 मामलों का मौके पर या त्वरित कार्रवाई के जरिए निस्तारण कर दिया गया। लगभग तीन-चौथाई शिकायतों का तत्काल समाधान प्रशासन की दक्षता और जवाबदेही को दर्शाता है। शेष मामलों को संबंधित विभागों को भेजते हुए समयबद्ध कार्ययोजना के तहत निगरानी में रखा गया है।शिविरों में आय, जाति, निवास, सामाजिक श्रेणी समेत विभिन्न प्रमाण पत्रों से जुड़े 19 हजार 734 आवेदन प्राप्त हुए। इससे यह साफ हुआ कि नागरिकों को अब बुनियादी सेवाओं के लिए लंबी प्रक्रियाओं और अनावश्यक देरी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। यह पहल विशेष रूप से गरीब, वंचित और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए लाभकारी साबित हुई है।विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 77 हजार 203 लोगों को प्रत्यक्ष लाभ दिया गया। सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर मिलने से पारदर्शिता बढ़ी है और योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन की तस्वीर सामने आई है।कार्यक्रम की सफलता के पीछे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट और परिणामोन्मुख निर्देश अहम रहे। अधिकारियों को कार्यालयों में बैठने के बजाय फील्ड में जाकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए। प्रत्येक शिविर में निर्णय लेने में सक्षम अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य की गई, ताकि शिकायतों का प्राथमिक स्तर पर ही निस्तारण हो सके। कमजोर वर्गों, दिव्यांगों, बुजुर्गों और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिकता देने के साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए गए।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम उत्तराखंड में शासन की सोच को बदलने वाला अभियान है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब सरकार स्वयं जनता तक पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्वास और संवेदनशीलता पर आधारित उत्तराखंड का सुशासन मॉडल है।उन्होंने कहा कि इस अभियान से प्रशासन पर जनता का भरोसा मजबूत हुआ है और बिचौलियों व भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। सरकार और जनता के बीचसीधे संवाद से समस्याओं के त्वरित समाधान की संस्कृति विकसित हुई है।